मूल्य 1 रु.

वर्षः 11 - अंक : 11, मुंबई, मंगलवार, 16 फरवरी, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

# मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

## अजमेर शरीफ पर चढ़ेगी पीएम मोदी के नाम की चादर

### केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने दी जानकारी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 809 वें उर्स पर अजमेर शरीफ दरगाह में केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को एक चादर सौंपी। ज्ञात हो कि यह तीसरा मौका है जब पीएम मोदी ने ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स में पेश की जाने वाली चादर को दिल्ली बुलाकर अपने हाथों से दी है। मुख्तार अब्बास नकवी ने बताया कि पीएम मोदी ने इस मौके पर देश की खुशहाली की कामना करते हुए एक संदेश भी दिया। अजमेर शरीफ स्थित इस दरगाह पर हर साल लाखों की संख्या में जायरीन पहुंचते हैं।

## मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभिनेता और बिजनेसमैन

# सचिन जोशी गिरफ्तार

इसी मामले में दो सप्ताह पहले मुंबई के ओमकार ग्रुप बिल्डर के चेयरमैन कमल गुप्ता और एमडी बाबूलाल वर्मा को अरेस्ट किया गया था

### ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ के बाद की कार्रवाई

**संवाददाता**

**नई दिल्ली।** गोवा गुटखा किंग के नाम से पहचाने जाने वाले उद्यमी जगदीश जोशी के बेटे सचिन जोशी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से पहले ईडी ने मुंबई ब्रांच में सचिन से कई घंटे पूछताछ की। ईडी के सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान के रहने वाले सचिन जोशी को ओमकार बिल्डर से जुड़े करीब 100 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रविवार सुबह पूछताछ के लिए बुलाया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

### पहले भी विवादों में रहा है सचिन

सचिन जोशी साउथ इंडिया की कई फिल्मों के साथ ही कई बॉलीवुड फिल्मों में भी काम कर चुका है। उसके पिता जगदीश जोशी गोवा गुटखा किंग के नाम से जाने जाते हैं। सचिन जोशी ने भगोड़ा कारोबारी विजय माल्या के गोवा के विवादास्पद बंगले को पिछले साल खरीद लिया था। नीलामी के दौरान उस बंगले के लिए सचिन जोशी ने करीब 73 करोड़ रुपये चुकाए थे। इसके बाद सचिन जोशी का नाम बहुत तेजी से चर्चा में आया था।

## बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और सेंट्रल बैंक ये...

# 4 सरकारी बैंक होंगे प्राइवेट

### 6 महीने में प्रोसेस होगा शुरू

**मुंबई।** सरकार ने 4 बैंकों को निजी बनाने के लिए चुन लिया है। इनमें तीन बैंक छोटे और एक बड़ा बैंक है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, इंडियन ओवरसीज बैंक और सेंट्रल बैंक छोटे हैं, जबकि बैंक ऑफ इंडिया बड़ा बैंक है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

**सरकार को डर है कि बैंकों को बेचने की स्थिति में बैंक यूनियन विरोध पर उतर सकती हैं, इसलिए वह बारी-बारी से इन्हें बेचने की कोशिश करेगी**

### खाता रखने वालों का क्या होगा?

अकाउंट होल्डर्स का जो भी पैसा इन 4 बैंकों में जमा है, उस पर कोई खतरा नहीं है। खाता रखने वालों को फायदा ये होगा कि प्राइवेटाइजेशन हो जाने के बाद उन्हें डिपॉजिट्स, लोन जैसी बैंकिंग सर्विसेस पहले के मुकाबले बेहतर तरीके से मिल सकती हैं। एक जोखिम यह रहेगा कि कुछ मामलों में उन्हें ज्यादा चार्ज देना होगा। उदाहरण के लिए सरकारी बैंकों के बचत खातों में अभी एक हजार रुपए का मिनिमम बैलेंस रखना होता है। कुछ प्राइवेट बैंकों में मिनिमम बैलेंस की जरूरी रकम बढ़कर 10 हजार रुपए हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

# टीके पर यकीन

**दुनिया** में कोरोना टीके के प्रति बढ़ता विश्वास सुखद और स्वागतयोग्य है। बाजार-अनुसंधान कंपनी यूगोव के साथ मिलकर इंपीरियल कॉलेज, लंदन ने एक उपयोगी सर्वेक्षण किया है, जिसके नतीजे कोरोना टीके की पैरोकारी कर रहे हैं। दुनिया के अनेक इलाकों में टीके के प्रति समर्थन पिछले महीनों में बढ़ा है। इंपीरियल कॉलेज, लंदन की व्यवहार वैज्ञानिक सारा जोन्स कहती हैं, 'पहली बार जब महामारी शुरू हुई, तब से मैं समझ सकती हूं कि वैक्सीन के प्रति आशावाद कोरोना वायरस की तुलना में अधिक तेजी से फैल रहा है।' यह सर्वेक्षण दुनिया के 15 देशों में नवंबर 2020 से जनवरी 2021 के बीच चला है। यूरोप, एशिया व ऑस्ट्रेलिया में लगभग 13,500 लोगों ने इसमें अपना मत जाहिर किया है। नवंबर में जब कुछ देशों में वैक्सीन को मंजूरी मिलने की प्रक्रिया शुरू हुई थी, तब सिर्फ 40 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा था कि उन्हें सप्ताह भर के अंदर कोविड का टीका दिया जाए, तो वे जरूर लेंगे। आधे से ज्यादा लोग टीके के साइड इफेक्ट को लेकर चिंतित थे। दुनिया के अनेक देशों में टीकाकरण अभियान जब आगे बढ़ा, तब जनवरी में आधे से अधिक उत्तरदाता वैक्सीन लेने के लिए तैयार नजर आए। जिन लोगों ने नवंबर में यह कहा था कि वे टीके के दुष्प्रभावों के बारे में चिंतित हैं, उनका अनुपात घटकर अब 47 प्रतिशत हो गया। सर्वेक्षण का यह इशारा है कि ब्रिटेन एक ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक 78 प्रतिशत लोग टीका लेना चाहते हैं। कुछ देशों में टीका लेने के इच्छुक लोगों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, स्पेन में टीका लेने के इच्छुक उत्तरदाताओं का अनुपात नवंबर 2020 में 28 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी मध्य तक 52 प्रतिशत हो गया है। यद्यपि वैश्विक स्तर पर स्थिति तेजी से सकारात्मक होती दिख रही है, लेकिन कुछ विकसित देशों के परिणाम चिंता भी जगाते हैं। विकसित देश फ्रांस में 44 प्रतिशत लोग अभी भी टीके के लिए तैयार नहीं हैं। यही नहीं, तकनीक के मामले में मिसाल जापान के लोगों से जब पूछा गया कि वे टीके पर कितना भरोसा करते हैं, तब जापान में 66 प्रतिशत उत्तरदाताओं का जवाब था कि वे थोड़ा या बिल्कुल भरोसा नहीं करते। खैर, टीके पर अविश्वास का अपना एक इतिहास रहा है, जो कहीं न कहीं कोरोना के मामले में भी आडे. आ रहा है। बेशक, दुनिया के अनेक ऐसे हिस्से होंगे, जहां कोरोना संक्रमण खतरनाक या चिंताजनक स्तर तक नहीं पहुंचा होगा, वहां वाकई टीकाकरण में मुश्किल आएगी। जाहिर है, यह सर्वेक्षण मात्र एक इशारा है। इसे पूरी दुनिया के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता। निम्न और मध्यम आय वर्ग वाले देशों में आने वाले दिनों में सर्वेक्षण करना चाहिए। महज चंद विकसित देशों के आंकड़ों से पूरा परिदृश्य स्पष्ट नहीं हो सकता। अभी कोरोना टीके का पूरा प्रभाव सामने नहीं आया है, जब उसकी सफलता के आंकडे. आगामी महीनों में आने लगेंगे, तब टीका लेने के लिए तैयार लोगों की संख्या भी बढेगी। जो टीके बने हैं, उनमें भी गुणवत्ता वृद्धि की गति बनी रहनी चाहिए। भारत जैसे देश में भी कोरोना टीके के नतीजे का सामने आना जरूरी है। भारत अब टीके की दूसरी खुराक के दौर में पहुंच गया है। दूसरी खुराक के बाद के आंकड़ों को सामने रखा जाना चाहिए, तभी टीके का वास्तविक असर और भविष्य का पता चलेगा।

# आंदोलन जारी रखने की चुनौती

**कहते** हैं कि हर चीज की एक्सपायरी डेट होती है यानी हर चीज को किसी न किसी समय खत्म होना होता है। क्या किसान आंदोलन धीरे धीरे एक्सपायरी डेट की तरफ बढ़ रहा है? आंदोलन पिछले 81 दिन से चल रहा है। कई राज्यों के किसान दिसंबर-जनवरी की भयावह ठंड के बीच दिल्ली की अलग-अलग सीमा पर डटे रहे। अब भी किसान दिल्ली की कई सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं। पर कई कारणों से ऐसा लग रहा है कि आंदोलन की तीव्रता कम हो रही है। इसमें संदेह नहीं है कि आंदोलन का दायरा बढ़ रहा है। दिल्ली की सीमा से निकल कर यह आंदोलन देश के गावों में पहुंच रहा है। किसान नेता भी देश के दूसरे राज्यों का दौरा करने की तैयारी में हैं, जहां वे स्थानीय किसान संगठनों के साथ आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए समन्वय बनाने की बातचीत करेंगे।

देश के कई राज्यों में स्वंयस्फूर्त आंदोलन होने लगे हैं। दिल्ली से सटे हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई शहरों और गांवों में किसान महापंचायत हुई है, जिनकी तस्वीरों और वीडियो से जाहिर हुआ है कि आंदोलन की चिंगारी दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंच रही है। हरियाणा के जींद के मशहूर कंडेला गांव में हुई महापंचायत में हजारों की संख्या में लोग जुटे थे। हरियाणा के ही दादरी और खटकड़ में भी बड़ी किसान पंचायतें लगीं। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में बड़ी महापंचायत हुई थी, जिसके बाद शामली, बिजनौर, बागपत, मथुरा और अमरोहा में किसानों की पंचायत हुई। सहारनपुर की किसान महापंचायत में हजारों की भीड़ जुटी, जिसमें कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हुई थीं। राजस्थान में कई जगह किसान महापंचायत हुई और राहुल गांधी के दो दिन के दौरे में कई रैलियां भी हुईं। कर्नाटक में किसानों ने आंदोलन किया तो बिहार में पटना और पूर्णिया में किसानों का प्रदर्शन हुआ। किसान महापंचायत का चेहरा बन कर उभरे राकेश टिकैत हरियाणा के अलावा महाराष्ट्र और राजस्थान के दौरे पर जाने वाले हैं ताकि आंदोलन का विस्तार किया जाए।

इससे यह तो जाहिर हो रहा है कि किसान आंदोलन का दायरा बढ़ रहा है। लेकिन आंदोलन के केंद्र में यानी दिल्ली की सीमा पर इसकी तीव्रता कम हो रही है। आंदोलन को लंबा चलाए रखने की तैयारी के बावजूद ऐसा लग रहा है कि आंदोलन का पुराना जोश नदारद है। राकेश टिकैत ने सरकार को दो अक्टूबर तक की समय सीमा दी है और कहा है कि उसके बाद किसान तय करेंगे कि आगे क्या करना है। लेकिन दो अक्टूबर में अभी बहुत समय है। यह समझ में नहीं आने वाली बात है कि इतनी दूर की समय सीमा तय करने के पीछे क्या सोच है? ध्यान रहे किसान आंदोलन अभी ढाई महीने का हुआ है और दो अक्टूबर आने में साढ़े सात महीने बाकी हैं। 26 नवंबर से चल रहे किसान आंदोलन को बारीकी से देखें तो दिखाई देगा कि शुरूआती जोश, उत्साह, बेचैनी आदि सब धीरे धीरे कम होता जा रहा है। अब एक किस्म की शांति और स्थिरता दिखाई दे रही है। जब ढाई महीने में आंदोलन की तीव्रता इतनी कम हो गई तो सोचा जा सकता है कि अगर सचमुच साढ़े सात महीने और किसानों को बैठना पड़ा तो क्या स्थिति बनेगी? दो अक्टूबर तक आंदोलन चलने की संभावना मात्र से किसानों का जोश और उत्साह ठंडा हुआ है। आंदोलन की तीव्रता बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी यह होता है कि लक्ष्य हासिल करने की समय सीमा छोटी रही और छोटे-छोटे अंतराल पर कुछ न कुछ कार्यक्रम होता रहे। लंबी समय सीमा आंदोलन में शामिल लोगों और दूर से इसका समर्थन करने वालों को शिथिल और बहुत हद तक लापरवाह बना देती है। यह ध्यान रखना होगा कि आंदोलन का लंबा चलना किसी नतीजे की गारंटी नहीं होती है। नतीजे की गारंटी आंदोलन की तीव्रता से होती है। जैसे अन्ना हजारे का आंदोलन दो हफ्ते से कम का था लेकिन उस आंदोलन ने सरकार को मजबूर किया कि वह संसद में लोकपाल का बिल पास करे और कानून बनाए। कह सकते हैं कि वह समय अलग था और सरकार भी अलग लोगों की थी, यह सरकार वैसे झुकने वाली नहीं है। ध्यान रहे कोई भी सरकार झुकने वाली नहीं होती है। वह समझौता तभी करती है, जब आंदोलन का दबाव महसूस करती है। कोई भी आंदोलन चाहे कितना ही पवित्र और नैतिक क्यों न हो अगर उसमें तीव्रता नहीं है तो सरकारें समझौता नहीं करती हैं। मिसाल के तौर पर इरोम शर्मिला के आंदोलन को देखा जा सकता है। उनको 'आयरन लेडी ऑफ मणिपुर' कहते हैं और 2014 में एमएसएन के एक पोल में उनको 'टॉप वूमन आइकॉन ऑफ इंडिया' चुना गया था। वे सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून को अपने राज्य से हटवाने के लिए 16 साल तक भूख हड़ताल पर रहीं। उस दौरान बारी-बारी से भाजपा और कांग्रेस दोनों की सरकारें रहीं पर किसी ने उनके आंदोलन पर ध्यान नहीं दिया। उनके आंदोलन का उद्देश्य पवित्र था और साधन भी पवित्र था। सही अर्थों में वह एक गांधीवादी आंदोलन था पर किसी को उसकी परवाह नहीं थी क्योंकि आंदोलन में तीव्रता नहीं थी। तीव्रता का मतलब किसी किस्म की हिंसा या आक्रामकता नहीं होती है। किसान आंदोलन के दौरान 26 जनवरी से पहले तक न कोई हिंसा हुई थी और न कहीं आक्रामकता थी, लेकिन आंदोलन में जोश था, उत्साह था, आंदोलन में शामिल लोगों में अपना लक्ष्य हासिल करने की बेचैनी थी और यहीं तीव्रता होती है, जो किसी आंदोलन को सफल बनाती है।

# किसका विरोध, क्या जनता का?

**सर्वोच्च** न्यायालय ने जन-प्रदर्शनों के बारे में जो ताजा फैसला किया है, उससे उन याचिकाकर्ताओं को निराशा जरूर हुई होगी, जो विरोध-प्रदर्शन के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। यदि किसी राज्य में जनता को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार न हो तो वह लोकतंत्र हो ही नहीं सकता। विपक्ष या विरोध तो लोकतंत्र की मोटरकार में ब्रेक की तरह होता है। विरोधरहित लोकतंत्र तो बिना ब्रेक की गाड़ी बन जाता है। अदालत ने विरोध-प्रदर्शन, धरने, अनशन, जुलूस आदि को भारतीय नागरिकों का मूलभूत अधिकार माना है लेकिन उसने यह भी साफ-साफ कहा है कि उक्त सभी कार्यों से जनता को लंबे समय तक असुविधा होती है तो उन्हें रोकना सरकार का अधिकार है। अदालत की यह बात एकदम सही है, क्योंकि आम जनता का कोई हुक्का-पानी बंद कर दे तो यह भी उसके मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन है। यह सरकार का नहीं, जनता का विरोध है। प्रदर्शनकारी तो सीमित संख्या में होते हैं लेकिन उनके धरनों से असंख्य लोगों की स्वतंत्रता बाधित हो जाती है। लाखों लोगों को लंबे-लंबे रास्तों से गुजरना पड़ता है, धरना-स्थलों के आस-पास के कल-कारखाने बंद हो जाते हैं और सैकड़ों छोटे-व्यापारियों की दुकानें चौपट हो जाती हैं। गंभीर मरीज अस्पताल तक पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ देते हैं। शाहीन बाग और किसानों जैसे धरने यदि हफ्तों तक चलते रहते हैं तो देश को अरबों रु. का नुकसान हो जाता है। रेल रोको अभियान सड़कबंद धरनों से भी ज्यादा दुखदायी सिद्ध होते हैं। ऐसे प्रदर्शनकारी जनता की भी सहानुभूति खो देते हैं। उनसे कोई पूछे कि आप किसका विरोध कर रहे हैं, सरकार का या जनता का? इस तरह के धरने चलाने के पहले अब पुलिस की अनुमति लेना जरुरी होगी, वरना पुलिस उन्हें हटा देगी। पता नहीं, दिल्ली सीमा पर चल रहे लंबे धरने पर बैठे किसान अब अदालत की सुनेंगे या नहीं। इन धरनों और जुलूसों से एक-दो घंटे के लिए यदि सड़कें बंद हो जाती हैं और कुछ सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा हो जाता है तो कोई बात नहीं लेकिन यदि इन पैंतरों से मानव-अधिकारों का लंबा उल्लंघन होगा तो पुलिस-कार्रवाई न्यायोचित ही कही जाएगी। पिछले 60-65 वर्षों में मैंने ऐसे धरने, प्रदर्शन, जुलूस और अनशन दर्जनों बार स्वयं आयोजित किए हैं लेकिन इंदौर, दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, भोपाल, नागपुर आदि शहरों की पुलिस ने उन पर कभी भी लाठियां नहीं बरसाईं। महात्मा गांधी ने यही सिखाया है कि हमें अपने प्रदर्शनों को हमेशा अहिंसक और अनुशासित रखना है। उन्होंने चौरीचौरा का आंदोलन बंद क्यों किया था, क्योंकि आंदोलनकारियों ने वहां हत्या और हुड़दंग मचा दिया था।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
16 फरवरी, 2021

03

# 'सेलिब्रिटी ट्वीट मामले में बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख का नाम आया सामने'

**मुंबई।** सेलिब्रिटी ट्वीट मामले में महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बड़ा बयान दिया है उन्होंने कहा है कि इस मामले की जांच के दौरान बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख और 12 अन्य लोगों (इंफ्ल्यूएन्सर्स) के नाम सामने आए हैं इस मामले की जांच अभी भी शुरू है। आपको बता दें कि सचिन तेंदुलकर, लता मंगेशकर, अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी जैसे सेलिब्रिटीज ने ट्वीट किया गया था। जिसमें विदेशियों द्वारा किए गए ट्वीट को ध्यान न देने की बात कही गई थी। साथ ही भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने का भी जिक्र किया गया था। इन सेलिब्रिटी के ट्वीट को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने गृह मंत्री अनिल देशमुख से जांच की मांग की थी। उन्होंने कहा था की इनके ट्वीट में काफी समानता है और पैटर्न भी एक तरह का ही है। जिसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने जांच के आदेश दिए थे। कांग्रेस ने अपनी शिकायत में कहा था कि रिहाना के ट्वीट के बाद सचिन तेंदुलकर, लता मंगेशकर, विराट कोहली समेत बड़े सितारों

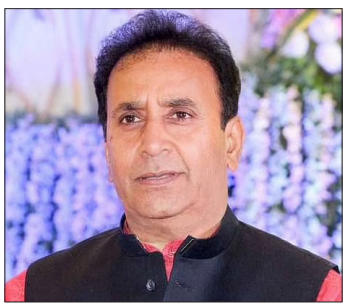

ने जो ट्वीट किए हैं। उनमें कई शब्द कॉमन है जैसे अमिकेबल सुनील शेट्टी ने तो अपने ट्वीट में मुंबई बीजेपी नेता हितेश जैन को टैग किया था। वहीं सायना नेहवाल और अक्षय कुमार का ट्वीट एकदम सेम है। इन सभी ट्वीट की टाइमिंग और पैटर्न को देख कर लग रहा है कि बीजेपी सरकार के दबाव में इन सितारों ने ट्वीट किए होंगे।

### क्या बोली महाराष्ट्र कांग्रेस

कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा था कि सचिन तेंदुलकर, लता मंगेशकर सहित इन सभी सितारों ने किसानों की मौत पर कुछ भी नहीं कहा। इतने दिनों तक यह सभी खामोश रहे लेकिन अचानक सब ट्वीट करने लगे हैं। इस ट्वीट को देख कर लग रहा है कि बीजेपी सरकार के दबाव में यह ट्वीट करवाए गए होंगे। इस बाबत हमने गृहमंत्री से शिकायत की है। उन्होंने जांच के आदेश भी दिए हैं। अगर बीजेपी अन्य राज्यों की सरकार गिरा सकती हैं तो इनके लिए भारत रत्न पर दबाव डालना कोई बड़ी बात नहीं है। हम सचिन या किसी के विवेक पर सवाल नहीं खड़े कर रहे हैं।

**सरकार के रुख के समर्थन में सचिन ने किया था ट्वीट:** बता दें अमेरिकी पॉप सिंगर रिहाना और पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित कुछ विदेशी शख्सियतों के किसान आंदोलन के समर्थन में ट्वीट किया था जिसके बाद सचिन तेंदुलकर और अक्षय कुमार सहित विभिन्न हस्तियों ने सोशल मीडिया पर 'इंडिया टुगैदर' और 'इंडिया अगेन्स्ड प्रोपेगैंडा' हैशटैग के साथ सरकार के रुख के समर्थन में ट्वीट किए थे।

**शरद पवार ने सचिन को क्या दी थी नसीहत?:** दरअसल, शरद पवार ने अमेरिकी पॉप सिंगर रिहाना के किसान आंदोलन के मसले पर ट्वीट करने के जवाब में सचिन तेंदुलकर के ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शनिवार को कहा, उनके (भारतीय हस्तियों) द्वारा उठाए गए स्टैंड पर कई लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मैं सचिन (तेंदुलकर) को सलाह दूंगा कि वे किसी अन्य क्षेत्र के बारे में बोलते हुए सावधानी बरतें।

# जलगांव के किंगांव के पास मजदूरों को ले जा रहा ट्रक पलटा, 15 की मौत

**संवाददाता**

**जलगांव।** महाराष्ट्र के जलगांव में रविवार रात करीब एक बजे बड़ा हादसा हो गया। यहां किंगांव के पास एक ट्रक पलट गया। खबर के मुताबिक, इस ट्रक में पपीता भरा था। इसके अलावा 19 लोग बैठे थे। इनमें से 15 की मौत हो गई। 4 घायल हैं। हादसे की जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, किंगांव के पास अंकलेश्वर-बुरहानपुर स्टेट हाइवे पर हादसा हुआ। एक मोड़ पर ट्रक की स्टेयरिंग की रॉड टूट गई। इसके बाद ड्राइवर ने

नियंत्रण खो दिया। ट्रक पलटने की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को क्रेन के जरिए सीधा किया। तब तक कई मजदूरों की जान जा चुकी थी। हादसे में मरने वाले 15 लोगों की पहचान हो गई है। इनमें शेख हुसैन शेख, सरफराज कसम तंणावी, नरेंद्र वमन बाग, दिगंबर माधव, दिलदार हुसैन तंणावी, संदीप युवराज भारेराव, अशोक जगन, दुराबाई संदीप भारेराव, गणेश रमेश मोरे, शारदा रमेश मोरे, सागर अशोक बाग, संगीता अशोक बाग, समनबाई इंगले, कामाबाई रमेश मोरे और सबनुर हुसैन तंडावी शामिल हैं।

**मृतकों में छह लोग एक ही परिवार के:** हादसे में मृत मजदूरों में छह एक ही परिवार के लोग हैं। अन्य मृतकों में दो बच्चे और छह महिलाएं भी शामिल हैं। सभी जलगांव के रावेर तहसील के रहने वाले हैं। रोजाना ये मजदूरी के लिए किनगांव जाते थे। फिर वहां से शाम को किसी गाड़ी पर बैठकर घर लौटते थे। रविवार देर शाम भी ये पपीता लदे ट्रक पर सवार होकर घर की ओर लौट रहे थे।

**रविवार को ही आंध्र के कुर्नूल में हादसा हुआ, 14 की जान गई:** आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में भी रविवार सुबह बस-ट्रक की टक्कर में 14 लोगों की मौत हो गई थी। हादसा कुर्नूल से 25 किलोमीटर दूर वेलदुरी मंडल के मदारपुर गांव के पास सुबह साढ़े 3 से 4 बजे के आसपास हुआ था। मरने वालों में 8 महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। बस चित्तूर जिले से राजस्थान के अजमेर जा रही थी।

# सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

**मुंबई।** वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर खड़े एक ट्रक से एक मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने मृतक की पहचान मोटरसाइकिल चालक प्रमोद कालेकर के रूप में हुई है और घायल व्यक्ति की पहचान बाइक पर पीछे बैठे मुकेश मिश्रा के रूप में हुई है। अंधेरी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बिना एहतियात बरते ट्रक को सामान उतारने के उद्देश्य से वहां खड़ा किया गया था और ट्रक चालक ने पीड़ितों की मदद भी नहीं की और वहां से फरार हो गया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

### मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभिनेता और बिजनेसमैन सचिन जोशी गिरफ्तार

ईडी ने 7 घंटे की पूछताछ के दौरान जब पाया कि सचिन सही जानकारी नहीं दे रहा है तो उसे औपचारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया गया। सचिन जोशी की गिरफ्तारी के बाद ईडी की मुंबई ब्रांच के नजदीकी थाने और उसके परिजनों को इसकी जानकारी दे दी गई। सचिन जोशी को आज मुंबई में स्थानीय कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा, जहां उसकी रिमांड की मांग की जाएगी। रिमांड मिलने पर ईडी घोटाला मामले में आगे की पूछताछ करेगा। ईडी के मुताबिक, पिछले महीने झोपड़पट्टी पुनर्वास योजना से संबंधित स्कीम में फजीर्वाड़े को अंजाम देने वाले ओमकार बिल्डर के मालिक कमल गुप्ता और प्रबंध निदेशक बाबूलाल वर्मा को गिरफ्तार किया गया था। उनसे हुई पूछताछ में सचिन जोशी के बारे में काफी अहम सबूत और बयान मिलने के बाद रविवार शाम को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सचिन जोशी के पिता जगदीश जोशी पर साल 2001 में अपनी बेटी के प्रेमी की हत्या का आरोप लगा था। साथ ही उनको लेकर सबसे ज्यादा चर्चा 2004 में तक हुई थी, जब जगदीश जोशी का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम और उसके भाई अनिस इब्राहिम के साथ जुड़ा था। जगदीश जोशी पर ये आरोप लगा था कि वह अंडरवर्ल्ड का पैसा गुटखा बनाने वाली फैक्ट्री में निवेश करते थे। इसके बाद जगदीश जोशी समेत कई आरोपियों के खिलाफ मकोका के तहत मामला भी दर्ज किया गया था। हालांकि, काफी विवादों में रहने के बाद जगदीश जोशी को राहत मिल गई थी।

### 4 सरकारी बैंक प्राइवेट होंगे

सरकार देश में कुछ बड़े सरकारी बैंकों को ही चलाने के पक्ष में है। जैसे- भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ बड़ौदा और कैनरा बैंक। पहले कुल 23 सरकारी बैंक थे। इनमें से कई छोटे बैंक को बड़े बैंक में पहले ही मर्ज किया जा चुका है। सरकार ने इस बार बजट में दो बैंकों में हिस्सा बेचने की बात कही थी। हालांकि, चार बैंकों के नाम सामने आए हैं। सत्ता में आने वाले राजनीतिक दल सरकारी बैंकों को निजी बैंक बनाने से बचते रहे हैं, क्योंकि इससे लाखों कर्मचारियों की नौकरियों पर भी खतरा रहता है। हालांकि, मौजूदा सरकार पहले ही कह चुकी है कि बैंकों को मर्ज करने या प्राइवेटाइजेशन करने की स्थिति में कर्मचारियों की नौकरी नहीं जाएगी। बैंक ऑफ इंडिया के पास 50 हजार कर्मचारी हैं, जबकि सेंट्रल बैंक में 33 हजार कर्मचारी हैं। इंडियन ओवरसीज बैंक में 26 हजार और बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 13 हजार कर्मचारी हैं। इस तरह कुल मिलाकर एक लाख से ज्यादा कर्मचारी इन चारों सरकारी बैंकों में हैं। सरकार बड़े पैमाने पर बैंकों में सुधार करने की योजना बना रही है। इसके तहत वह बड़े सरकारी बैंकों में अपनी ज्यादातर हिस्सेदारी बनाए रखेगी, ताकि उसका कंट्रोल बना रहे। सरकार इन बैंकों को नॉन परफॉर्मिंग असेट्स यानी एनपीए से भी निकालना चाहती है। अगले वित्त वर्ष में सरकारी बैंकों में 20 हजार करोड़ रुपए डाले जाएंगे, ताकि ये बैंकिंग रेगुलेटर के नियमों को पूरा कर सकें। प्राइवेटाइजेशन की प्रक्रिया शुरू होने में 5-6 महीने लगेंगे। 4 में से 2 बैंकों को इसी फाइनेंशियल ईयर में प्राइवेटाइजेशन के लिए चुन लिया जाएगा। सरकार को डर है कि बैंकों को बेचने की स्थिति में बैंक यूनियन विरोध पर उतर सकती हैं, इसलिए वह बारी-बारी से इन्हें बेचने की कोशिश करेगी। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में कम कर्मचारी हैं, इसलिए इसे प्राइवेट बनाने में आसानी रहेगी। देश में बैंक ऑफ इंडिया छठे नंबर का बैंक है, जबकि सातवें नंबर पर सेंट्रल बैंक है। इनके बाद इंडियन ओवरसीज और बैंक ऑफ महाराष्ट्र का नंबर आता है। बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैपिटलाइजेशन 19 हजार 268 करोड़ रुपए है, जबकि इंडियन ओवरसीज बैंक का मार्केट कैप 18 हजार करोड़, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का 10 हजार 443 करोड़ और सेंट्रल बैंक का 8 हजार 190 करोड़ रुपए है।

## सुशांत सिंह डेथ केस

# सुशांत की बहन मीतू के खिलाफ रिया चक्रवर्ती का केस बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द किया

## दूसरी बहन के खिलाफ जांच चलेगी

संवाददाता

**मुंबई।** एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े एक केस में रिया चक्रवर्ती को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। रिया ने सुशांत की बहनों मीतू और प्रियंका सिंह के खिलाफ फर्जी प्रिस्क्रिप्शन से जुड़ी एफआईआर दर्ज करवाई थीं। कोर्ट ने सोमवार को अपना फैसला सुनाते हुए मीतू के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द कर दी, लेकिन प्रियंका को राहत नहीं दी। उनके खिलाफ अब जांच चलेगी। सुशांत की मौत के मामले में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती आरोपी हैं। सुशांत को ड्रग्स देने के आरोप में उनकी गिरफ्तारी हुई थी। अभी वे जमानत पर हैं। रिया ने अपनी गिरफ्तारी से

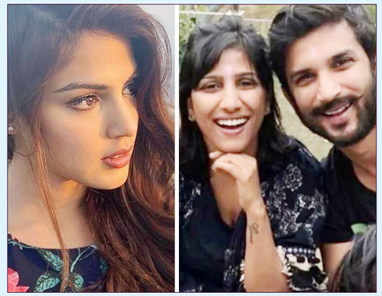

पहले राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डॉ. तरुण कुमार और सुशांत की दोनों बहनों के खिलाफ मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया था। इन तीनों पर फर्जी मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन बनाकर सुशांत के लिए दवा देने का आरोप लगाया गया था। इस केस को सुशांत की बहनों ने नवंबर 2020 में बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। रिया ने अपनी शिकायत में कहा था कि डॉ. तरुण कुमार ने सुशांत की जांच किए बिना सिर्फ प्रियंका के कहने डिप्रेशन की दवाएं लिख दी थीं। यह कानून के खिलाफ है। रिया ने यह भी कहा कि प्रिस्क्रिप्शन दिल्ली की ओपीडी का है, जबकि सुशांत उस दिन मुंबई में मौजूद थे।

### रिया का दावा- दवा लिखने वाले डॉक्टर ने सुशांत को देखा तक नहीं था

रिया ने अपनी एफआईआर में यह भी कहा था कि 8 जून 2020 की सुबह जब वे सुशांत के घर में थीं, तब सुशांत लगातार किसी से फोन पर चैट कर रहे थे। जब उन्होंने इस बारे में सुशांत से पूछा, तो सुशांत ने अपनी बहन से फोन पर हो रही चैट दिखाई। उनकी बहन प्रियंका दिल्ली में बैठे-बैठे अपनी तरफ से सुशांत को साइकोट्रोपिक ड्रग लेने की सलाह दे रही थीं। वो भी किसी ऐसे डॉक्टर के हवाले से, जिसने सुशांत को मरीज के तौर पर कभी देखा ही नहीं था। वहीं, सुशांत की बहन प्रियंका ने वकील माधव थोराट के जरिए दाखिल की गई अर्जी में दावा किया कि सुशांत के लिए दवाएं डॉक्टर ने ही लिखी थीं। उन्होंने कोई जुर्म नहीं किया है।

**पिछले साल 14 जून को हुई थी सुशांत की मौत:** एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का शव 14 जून 2020 को मुंबई के बांद्रा में उनके घर पर मिला था। जांच में मुंबई पुलिस ने बताया था कि वे डिप्रेशन के शिकार थे और उन्होंने आत्महत्या की है। हालांकि, इस पूरे मामले में कई महीनों तक विवाद जारी रहा। मौत के 15 दिन बाद सुशांत के पिता कृष्ण कुमार सिंह ने सुशांत की गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने रिया पर पैसों की हेराफेरी का भी आरोप लगाया था। बिहार सरकार की अर्जी पर बाद में मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को सौंपी गई थी।

## स्वदेशी रुस्तम-2 को डीआरडीओ ने बनाया और 'घातक', अब 27 हजार फीट तक भर सकेगा उड़ान

**नई दिल्ली।** भारत की जटिल भौगोलिक स्थिति व रक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए डीआरडीओ ने भारत के स्वदेशी ड्रोन रुस्तम-2 को और घातक बना दिया है। रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन ने रुस्तम-2 को मध्यम ऊंचाई तक उड़ान भरने में समर्थ बना दिया है। वह अप्रैल से 27000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने लगेगा। शुक्रवार को इसके प्रोटोटाइप का सफल परीक्षण किया गया। स्वदेशी ड्रोन तकनीक के विकास की दृष्टि से डीआरडीओ लगातार प्रोन्नयन में जुटा है। यह रक्षा संस्थान देश को सैन्य उपकरणों के मामले में अत्याधुनिक बनाने में जुटा हुआ है। रुस्तम-2 भारत का मध्यम ऊंचाई तक उड़ान भरने वाला अत्याधुनिक मानव रहित विमान या ड्रोन होगा। स्वदेशी ड्रोन के विकास से जुड़े सूत्रों के अनुसार डीआरडीओ ने अप्रैल में रुस्तम-2 को कर्नाटक के चित्रदुर्ग में 18 घंटे तक 27 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ाने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य हासिल करना बड़ी कामयाबी होगी। रुस्तम-2 को तापस-बीएच के तौर पर भी जाना जाता है। यह हवाई निगरानी के लिए रणनीतिक महत्व का उपकरण है। गत वर्ष अक्तूबर में इसने 16 हजार फीट की ऊंचाई पर आठ घंटे उड़ान भरी थी।

### अब तक ड्रोन तकनीक में पिछड़ा था भारत

भारत ड्रोन तकनीक के मामले में अब तक पिछड़ी स्थिति में था। ड्रोन उपकरण अमेरिका व इस्राइल से आयात किए जाते रहे हैं। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दृष्टि से भी डीआरडीओ इस पर जोर दे रहा है। भारत अपनी 60 फीसदी रक्षा सामग्री का आयात करता है। विश्व में अमेरिका व चीन के बाद भारत ही ऐसा देश है जो रक्षा पर सर्वाधिक पैसा खर्च करता है।

### चीन निर्यात करता है ड्रोन

भारत जहां ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है वहीं चीन ने 2008 से 2018 के बीच 13 देशों को 163 बड़े ड्रोन का निर्यात किया है। ये ड्रोन हथियार ले जाने में भी सक्षम हैं। उसने पाकिस्तान को भी विंग लूंग-2 ड्रोन दिए हैं। ये चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना व ग्वादर पोर्ट की निगरानी के लिए दिए गए हैं। संभवतः पाकिस्तान ने इन्हीं की मदद से भारत के सीमा क्षेत्रों में आतंकियों की मदद के लिए हथियार भी गिराए थे।

## सावर्डी में बना कांग्रेस समर्थित युसुफ खान पॅनल का सरपंच, निर्विरोध हुआ चुनाव

### यास्मिन खान बनी सरपंच, उपसरपंच पद पर सत्येंद्र सावरकर विराजमान

**अमरावती।** तहसील की महत्वपूर्ण समझी जाने वाली सावर्डी ग्रामपंचायत पर फिर एक बार काँग्रेस समर्थित युसुफ खान पठाण पॅनल का परचंम लहराया है। आज सोमवार सात सदस्यीय ग्रामपंचायत मे सरपंच व उपसरपंच पद के लिये निर्विरोध चूनाव होकर यास्मिन इलियास खान सरपंच चूनी गई। तो वही उपसरंच पद पर सत्यम उर्फ सत्येंद्र भागवतराव सावरकर का चयन हुआ। चुनाव प्रकिया संपन्न कराने हेतू तहसील स्तर से अधिकारी कल्पना काले के साथ ग्रामसेवक सोनाली बूथ, तलाठी अर्जुन अलोकार, ग्रामपंचायत कर्मचारी विजय मेश्राम आदी मौजुद थे। पिछले 35 सालो से काँग्रेस समर्थीत युसुफ खान पठाण पॅनल का

सावर्डी ग्रामपंचायत पर वर्चस्व रहा है। आगे भी यही परंपरा कायम रहेगी ऐसी प्रतिक्रिया इस समय पॅनल के लोगो द्वारा दी गई। हर दिन नया मोड लेने वाली गाव की राजनीती मे सर्वसाधारन महिला के लिये आरक्षित पद पर किस पॅनल का सरपंच विराजमान होगा इसको लेकर तर्क वितर्क लगाये जा रहे थे। लेकीन आखिरकार युसुफ खान पठाण पॅनल ने अपनी राजनीतिक सुजबुझ के साथ परिपक्वता का परिचय देते हुवे आखरी दीन बाजी पलटकर सरपंच पद मजबूत पकड बना ली। जिससे उनके पास यास्मिन खान व सुनील गजभिये के अलावा लता सावरकर और सत्येंद्र सावरकर ऐसे चार सदस्य का बहुमत हो गया था। जिससे युसुफ खान पठाण पॅनल को सरपंच पद हसिल हो सका। सरपंच, उपसरपंच व चूने गये अन्य सदस्य को इलियास खान पठान, किशोर कठाने, मोहम्मद खान पठान, महफूज खान पठान, सचिन रामटेके, सुरेंद्र मेटगे, राजिक खान पठान, बब्बू भाई, इदरीस खान पठान, सुनंदा मेंटगे, अरुण मेंटगे, फिरोज खान पठान, शंकरराव सावरकर, विलास मेंटगे, प्रकाश सावरकर, भागवतराव सावरकर, अब्दुल राजिक, अतुल सावरकर, दीपक मेटगे, समीर उर्फ केसरी, आरिफ खान, रवि गजभिये, कयामुद्दीन, बाबूलाल मेटगे, ज्ञानेश्वर सावरकर, सतीश सावरकर, अक्षय सावरकर आदी लोगो ने गाव के विकास को लेकर शुभकामना दी है।

## लद्दाख: ड्रैगन की सेना ने खाली किया फिंगर-4 का इलाका, भारत की कूटनीति के सामने झुका चीन

**नई दिल्ली।** पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए दोनों तरफ से कोशिशें तेज कर दी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के पास स्थित फिंगर 4 एरिया को चीनी सैनिक पीछे हटना शुरू कर दिया है। बता दें कि पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे स्थित इस महत्वपूर्ण पहाड़ी पर चीनी सैनिकों ने लंबे समय से कब्जा कर रखा था लेकिन भारत सरकार की कूटनीति काम आई और चीनी सेना पीछे हटने को मजबूर हो गई। खबर के अनुसार चीन ने फिंगर 5 और फिंगर 8 के बीच अपने कई शेल्टर्स और ढांचे को भी हटा लिया है। चीन के इस कदम का स्वागत करते हुए भारत ने भी अपनी जवानों की संख्या कम कर दी है। वहीं सेना और सरकार के रणनीतिकार यकीन जता

रहे हैं कि पैंगोंग झील में भारत और चीन की सेना के पीछे हटने की सहमति के बाद डेपसांग के पुराने और जटिल मसले को भी बातचीत से ही सुलझा लिया जाएगा। लिलाजा कोर कमांडर से पहले ब्रिगेडियर स्तर पर बातचीत की अलग से तैयारी की जा रही है। संभव है कि पैंगोंग के उत्तरी और दक्षिणी किनारे से सेनाओं के पूरी तरह हटने से पहले ही डेपसांग पर बातचीत शुरू हो जाए। पूर्वी लद्दाख में पैंगोग त्सो (झील) इलाके में सैनिकों को पीछे हटाने के लिए चीन के साथ समझौते के बाद बीजिंग और भारत की सेनाएं इस इलाके में सैनिकों की संख्या को लगातार कम कर रही हैं और बख्तरबंद वाहनों को पीछे ले जा रही हैं। सेना के सूत्रों ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने बताया कि पैंगोंग के दक्षिण तट पर टकराव के बिंदु से युद्धक टैंक और बख्तरबंद वाहनों को हटाया जा रहा है जबकि उत्तरी तट के क्षेत्रों से जवानों को वापस बुलाया जा रहा है।

## हरियाणा सरकार के गिरने से केंद्र सरकार झुकेगी, तभी तीनों कृषि कानून होंगे रद्द : दीपेंद्र हुड्डा

संवाददाता

**जींद (पंजाब)।** किसानों की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा। प्रदेश सरकार गिरने से केंद्र सरकार झुकेगी। सरकार गिरते ही कृषि कानून रद्द होंगे। यह बात राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कही। वे टीकरी बॉर्डर पर जान गंवाने वाले किसान रोशन सिंह घर शोक प्रकट करने गांव चुहड़पुर पहुंचे थे। दीपेंद्र हुड्डा ने मृतक किसान के परिजनों को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार आने के बाद किसान के किसी एक परिजन को सरकारी

नौकरी दी जाएगी। बता दें कि एक सप्ताह पहले किसान रोशन सिंह की हृदयगति रुकने से मौत हो गई थी। दीपेंद्र ने कहा कि निर्दलीय विधायकों के साथ-साथ जजपा के विधायकों को भी इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस सरकार शुरू से ही किसानों के साथ थी और आगे भी रहेगी। केंद्र सरकार को बातचीत के माध्यम से इसका तुरंत हल निकालना चाहिए। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जननायक जनता पार्टी को राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लेना चाहिए। लोगों ने जजपा को भाजपा की सरकार बनाने के लिए वोट नहीं दिया। लोगों ने भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए ही जजपा (जननायक जनता पार्टी) को वोट दिया था। बता दें कि दीपेंद्र हुड्डा ने यह बात जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला के बयान पर प्रतिक्रिया के तौर पर कही। अजय चौटाला ने शनिवार को कहा था कि वह हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला का इस्तीफा अपनी जेब में रखकर चलते हैं। दीपेंद्र हुड्डा गांव मोहनगढ़ छापड़ा में टीकरी बॉर्डर पर जान गंवाने वाले किसान रणधीर सिंह के घर सांत्वना देने पहुंचे थे। उन्होंने परिवार को दो लाख रुपये की सहायता राशि भी प्रदान की। जिला पार्षद दिनेश डाहौला, रणधीर नंबरदार, बलजीत रेढ़ू, बलराम कटवाल व अन्य मौजूद रहे।

## बुलढाणा हलचल

# कृषि योजनाओं के लिए किसानों का ऑनलाइन चयनः कृषि मंत्री भूसे

**संवाददाता/अशफाक युसुफ**

**बुलडाणा।** महाबीडीटी पोर्टल के माध्यम से हाल ही में पहली बार ऑनलाइन आवेदन शुरू किया गया था, जो किसानों द्वारा किए गए एकल आवेदन पर कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करता है। इसके माध्यम से राज्य में 2 लाख किसानों का चयन पारदर्शी तरीके से किया गया है। कृषि मंत्री दादा भूसे ने सूचित किया कि मशीनीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, विशेष घटक योजना, नए कुओं और बागवानी के विभिन्न पहलुओं के लिए लाभार्थियों का चयन किया गया है। जिनमें से उन्हें चयनित किया गया है और एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाएगा। इससे पहले, किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन करना पड़ता था। साथ ही, यदि योजना का लाभ लागू वित्तीय वर्ष में नहीं

मिलता है, तो अगले वित्तीय वर्ष में एक नया आवेदन करना होगा। साथ ही, प्रत्येक आवेदन के साथ दस्तावेजों को अलग से संलग्न किया जाना था। इसे ध्यान में रखते हुए, कृषि विभाग की सभी योजनाओं के लिए एकल आवेदन के लिए महाबीडीटी प्रणाली विकसित की गई थी। परिणामस्वरूप, किसानों को अपने गाँव से आवेदन करने की सुविधा के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेजों को एक साथ संलग्न करने की सुविधा है, इसलिए प्रत्येक योजना के लिए अलग से दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है। 1 लाख 34 हजार किसानों ने इस प्रणाली को पंजीकृत किया और विभिन्न योजनाओं के तहत मांग दर्ज की। प्रत्येक योजना के आर्थिक लक्ष्य के अनुसार, राज्य में 2 लाख किसानों को ऑनलाइन ड्रा के माध्यम से चुना गया है। यह कृषि विभाग, के सचिव डवले द्वारा कहा गया।

## मधुबनी हलचल

# हिजामा एक्यू प्रेशर क्लिनिक मिथिलांचल के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा: नजरे आलम

**संवाददाता/मो सालिम आजाद**

**मधुबनी।** मिथिलांचल में अपनी तरह का ये एकलौता क्लिनिक है जहां दवा और एक्यू प्रेशर के द्वारा सभी तरह की बीमारी का इलाज किया जाएगा, निमोनिया, सांस की बीमारी, चिड़-चिड़ापन जैसी बीमारियों का भी आसानी से स्वस्थ तकनीक के सहारे इलाज कराना अब दरभंगा में भी संभव। श्री आलम ने कहा कि मिलावट और लूट खसूट के दौर इस तरह की क्लिनिक की जिला के नागरिकों को सख्त जरूरत थी। मैं तो क्लिनिक के संचालक डा० फिदा हुसैन को धन्यवाद करता हूँ कि ये लोग इतनी बेहतर मेडिकल सुविधा हमारे नागरिकों को मुहैया करा रहे हैं। मेरी दुआ है कि ये क्लिनिक कामयाब हो और मानव सेवा के काम को अपना मिशन समझकर आगे बढ़ता रहे। इस अवसर पर मो० नूरूद्दीन, मौलाना हयातुल्लाह, तनवीर आलम, जावेद आलम, कमरे आलम, शर्फे आलम, हाफिज जमील, कुतुबुद्दीन, नूर मोहम्मद, सुफियान, अब्दुल मन्नान।समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

# राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की तेरहवीं पर शहादत पखवाडा एवं शांती सभा मनाया गया

**संवाददाता/मो सालिम आजाद**

**मधुबनी।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तेरहवीं पर बिहार के मधुबनी जिला खादी ग्रामोद्योग संघ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रो जितेन्द्र प्रताप सिंह ने की, वहीं मंच संचालन सर्वोदय मंडल के जिला मंत्री ने की। आज भी गांधीवादी विचार प्रासांगिकता है। गांधीवादी विचार ही भारत सहित विश्व को शांति, सद्भाव के साथ चला सकता है। गांधीजी जो अपने जीवन में व्यवहार करते थे, उतना ही उपदेश

लोगों को देखते थे। यानि गांधी जी अपने कथनी और करनी में बहुत ही समानता बनाए रखते थे। आज गांधी जी के विचार और दर्शन को हमलोग अपने जीवन में अनुशरण करें, यही गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर खादी ग्रामोद्योग संघ मधुबनी के जिला मंत्री श्रीमती सरना देवी, राम सुदिष्ट यादव, ज्योति रमण जा, प्रो नरेन्द्र नारायण सिंह निराला, प्रो लालाबाबू प्रसाद साह, मो मुमताज आलम, भोगेन्द दास आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अमर रहे! गांधीवादी विचारधारा बरकरार रहे।

## रामपुर हलचल

# टेम्पू को ट्रैक्टर ट्राली ने मारी जोरदार टक्कर

**संवाददाता/नदीम अख्तर**

**टाण्डा/रामपुर।** नगर निवासी मोहल्ला मन्हारान जाहिद अली पुत्र वाहिद अली उम्र 40 वर्षीय अपना व परिवार का पालन पोषण छोटा टेम्पू चलाकर पालन पोषण करता चला आ रहा है सुबह के समय में टेम्पू में सामान भरकर मुरादाबाद जा रहा था जिसमें सामान मालिक भी बैठा हुआ था अचानक राणा शुगर फैक्ट्री के निकट गन्ने से लदी ट्रेक्टर ट्राली ने उसके जोरदार टक्कर मार दी जिससे गाड़ी चालक

सहित टेम्पू में बैठा सामान मालिक गम्भीर अवस्था में घायल हो गये ऐक्सीडेंट की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई एवं नगर से सम्बंधित रिश्तेदार आदि वहां पर पहुंच गये पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला व अन्य लोगों के सहयोग के चलते बेहतर इलाज से सम्बंधित कासमास अस्पताल मुरादाबाद में भर्ती करा दिया गया है घटना की खबर से टेम्पू चालक के यहां देखने वालों की भीड़ जमा हो गई घटना से सम्बंधित पुलिस को भी अवगत करा दिया गया है।

## राजस्थान हलचल

# मजदूर लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

**संवाददाता**

**कायनात** ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा दिनांक 14 फरवरी 2021 दिन रविवार को दुर्गा मंदिर नीलबड़ चौराहा भदभदा रोड भोपाल सड़क के किनारे मजदूर लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शासकीय होम्योपैथिक अनुसंधान डॉक्टर द्वारा परीक्षण एवं दवाई वितरण आंखों का चेकअप प्रकाश आई हॉस्पिटल एवं मन मूर्ति आई केयर द्वारा आंखों का चेकअप वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा किया गया लगभग 300 लोगों ने इसका लाभ लिया मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के हरिराम अहिरवार एवं नीलबड़ के पुलिस चौकी के स्टॉप कैंप में मौजूद रहे संस्था अध्यक्ष शेख फैयाज ने बताया रोड के किनारे जो मजदूर बेसहारा लोग रहते हैं वह अभी भी डॉक्टर के पास जाने से डर रहे हैं इसी को देखते हुए कैंप का आयोजन किया गया वहां के निवासियों ने संस्था का एवं डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया मन मूर्ति आई केयर के डॉक्टर मनोज नाहर एवं पुलिस स्टाफ द्वारा सभी डॉक्टरों को सर्टिफिकेट एवं मैडल से सम्मानित किया गया संस्था अध्यक्ष शेख फैयाज उसको भी सम्मानित किया गया संस्था निरंतर स्वास्थ्य पर कार्य करती आ रही है। संस्था सभी डॉक्टरों को दिल की गहराई से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती है बहुत-बहुत धन्यवाद।

## समस्तीपुर हलचल

# समस्तीपुर में 5 सूत्री मांगों को लेकर आंगनवाड़ी सेविका संघ ने दिया धरना

**संवाददाता/जकी अहमद**

**समस्तीपुर।** बिहार प्रदेश आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के तत्वावधान में सरकारी बस पड़ाव समस्तीपुर में आंगनबाड़ी सेविका संघ ने 5 सूत्री मांगों को लेकर धरना दिया। धरना सभा के माध्यम से आंगनबाड़ी सेविका संघ के द्वारा भारत सरकार से आंगनबाड़ी में कार्यरत सभी कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी घोषित करने एवं सामाजिक सुरक्षा देकर उन्हें उचित श्रेणी में शामिल करने की मांग की है। इसके अलावा आंगनवाड़ी में कार्यरत कर्मचारियों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन सेविका को 18 हजार रुपए, सहायिका को 9 हजार रुपए प्रतिमाह देने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के

तहत देश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राथमिक विद्यालय के रूप में मान्यता देने तथा इस में कार्यरत, कार्यकर्ता एवं मीनी कार्यकर्ता को पूर्व प्राथमिक शिक्षिका और सहायिका को पूर्व प्राथमिक सह शिक्षिका का पद देने, आंगनबाड़ी में कार्यरत सभी कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि, पेंशन, ग्रेच्युटी, और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने आंगनबाड़ी कर्मचारियों को भी सरकारी कर्मचारी की तरह अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश, चिकित्सकीय अवकाश और विभिन्न धार्मिक त्योहारों पर मिलने वाली छुट्टियों का लाभ यथाशीघ्र लागू करने की मांग की गई।

# समस्तीपुर के धुरलख पंचायत में 'आन्हर कोलखीं' पुस्तक का विमोचन किया गया

**समस्तीपुर।** मिथिला भारती एवं ऑक्सफोर्ड कोचिंग संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आचार्य प्रमाणित प्रभाकर द्वारा मैथिली में अनूदित एवं साहित्य अकादमी नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आन्हर कोलखी, पुस्तक का लोकार्पण समारोह का आयोजन धूरलख स्थित ऑक्सफोर्ड कोचिंग के प्रांगण में सभा का आयोजन हुआ

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा पुस्तक का लोकार्पण डॉक्टर नरेश कुमार विकल तथा मुख्य अतिथि रमाकांत राय रमा थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. राम पुनीत ठाकुर तरुण एवं शिवेंद्र पांडे उपस्थित रहे। इस अवसर पर कोचिंग संस्था के निर्देशक संजय कुमार उन्हें साल तथा पाग पहनाकर साहित्यकारों को सम्मानित किए एवं वही उनकी पत्नी श्रीमती हीरा देवी ने प्रोफेसर रंजू दास को भी सम्मानित किए। कार्यक्रम का संचालन कर रहे श्री अजीत कुमार सिंह तथा धन्यवाद प्रकाश डॉ अशोक कुमार सिन्हा ने किया वहीं इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर सब श्री प्रशांत कुमार ,चंदन कुमार शर्मा, सुरेश कुमार मोहम्मद इकबाल, रामविनोद कुमार, जितेंद्र कुमार, राय, संगीत कुमारी,आदी व्यक्ति उपस्थित थे।

# 24 फरवरी 2021 को इंसाफ मंच करेगा एसपी के समक्ष रोष पूर्ण प्रदर्शन

**समस्तीपुर।** इंसाफ मंच जिला कमिटी की एक बैठक मंच के जिलाध्यक्ष आफताब आलम की अध्यक्षता एवम जिला सचिव डा. खुर्शीद खैर के संचालन में आज भाकपा माले जिला कार्यालय माल गोदाम चौक पर सम्पन्न हुई। बैठक में सर्व प्रथम किसान आंदोलन में शहीद तमाम किसानों, माले के शहीद कॉमरेडों एवम गत 10 फरवरी को सतमलपुर मध्य विद्यालय की 8 वीं की छात्रा रूबी खातून जिसकी हत्या कर शव को सारी काली स्थान मंदिर के निकट अपराधियों ने फेंक दिया था कि आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रख कर श्रधांजलि दी गई। श्रधांजलि के उपरांत विधि वत कमिटी की बैठक प्रारंभ करते हुए जिला सचिव डा. खुर्शीद खैर ने नव गठित जिला कमिटी के सभी

पदाधिकारियों एवम कमिटी सदस्यों को इंसाफ मंच की जिला कमिटी के लिए चुने जाने पर बधाई दी। बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दलितों और अकलियतों के साथ हो रहे अन्याय पर गहन चिंतन करते हुए इस के खिलाफ आइंदा 24 फरवरी 21ई. को जिला आरक्षी अधीक्षक महोदय के समक्ष रोष पूर्ण प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया, इसके एलावे जिला में जोरदार ढंग से सदस्यता अभियान चला कर जिला के प्रत्येक प्रखंड में मंच की कमिटी निर्माण करने का निर्णय लिया गया। उक्त जिला की बैठक में अध्यक्ष/सचिव के एलावे मंच के जिला उपाध्यक्ष मो.अनवर अधिवक्ता, जिला उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद पासवान, जिला सह सचिव मो. खालिद अनवर, जिला सह सचिव मो. अलाउद्दीन, कमिटी सदस्य संजीत पासवान, राम लाल राम एवम मो.नौशाद आलम ने उपस्थित होकर अपने-अपने विचार रखते हुए जिले के अंदर बढ़ रही लगातार अपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन से मांग की।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# आंखों से निकलते पानी की समस्या से राहत दिलाएंगे ये नुस्खे

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते

**हर्बल टी**
कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

**2. नमक**
कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

**3. नारियल का तेल**
नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं।

रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

**4. गीला कपड़ा**
आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

**5. बेकिंग सोडा**
साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

**6. ठंडा दूध**
कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

**7. एलोवेरा**
एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

**8. कच्चा आलू**
एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

# सिर्फ 20 मिनट करें ये फेशियल एक्सरसाइज, झुर्रियां हो जाएगी गायब

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां और दाग-धब्बे पड़ने लगते है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ चेहरे की जॉ लाइन भी फिकी पड़ जाती है लेकिन आजकल यह परेशानियां लोगों को कम उम्र में ही होने लगती है। शरीर में प्रोटीन और पोषक तत्वों की कमी का असर लोगों के चेहरे पर दिखाई देने लगता है। इससे छुटकारा पाने के लोग कई मंहगी क्रीमों और ब्यूटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से कोई फर्क नहीं मंहगी क्रीमों के अलावा व्यायाम द्वारा भी हटाया जा सकता है। आज हम आपको ऐसी एक एक्सरसाइज बताने जा रहें है जिसे सिर्फ 30 मिनट करने से ही आपकी ये सभी प्रॉब्लम दूर हो जाएगी। तो आइए जानते है किस तरह सिर्फ व्यायाम की मदद से चेहरे की परेशानियों को दूर किया जा सकता है।

**चेहरे पर झुर्रियां पड़ने के कारण**
धूम्रपान करने से
बढ़ती के कारण.
फ्री रेडीकल्स
अचानक वजन घटने पर
पोषक तत्वों की कमी
सूर्य रोशनी के अत्यधिक संपर्क में रहना

हैप्पी चिक एक्सरसाइज
चेहरे में मौजूद कोलाजेन कम होने पर त्वचा में झुर्रियां, दाग-धब्बे और जॉ लाइन फिकी होने जैसी समस्याएं दिखाई देने लगती हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए आप सिर्फ 20 मिनट यह हैप्पी चिक एक्सरसाइज करें। इसे करने के लिए आप अपने हाथों की उंगलियों को चेहरे पर रखें। इसके बाद बीच की उंगली से आईब्रो के बीच दवाब डालें और ऊपर की तरफ देखें। मुंह को ड के आकार में बनाए ताकि इससे दांत कवर हो जाएं। लगातार 20 सैकेंड तक यह एक्सरसाइज करें। इससे त्वचा की परेशानियां ही नहीं, फेस का एक्स्ट्रा फैट भी कम हो जाएगा।

# दांतों का पीलापन दूर करने के लिए अपनाएं ये उपाय

किसी की खूबसूरत हंसी शांति भरे माहौल में भी खुशियां भर देती हैं। दांत अगर सफेद और चमकदार हो तो आपकी स्माइल भी हर किसी का मन मोह लेती है लेकिन कई बार कुछ कारणों के कारण दांत पीले हो जाते हैं। कई बार तो उम्र से पहले की दांतों में दर्द,मसूढों में सूजन,दांतों में कीडें या फिर और भी बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह जरूरी नहीं है कि जो लोग दांतों की साफ-सफाई की तरफ ध्यान नहीं देते सिर्फ उन लोगों के दांत ही खराब होते हैं कई बार ज्यादा मीठा खाने, कोल्ड ड्रिंक का जरूरत से ज्यादा सेवन करने आदि से भी ये दिक्कतें आनी शुरू हो जाती हैं। आप भी दांतों की समस्याओं से परेशान रहते हैं तो कुछ घरेलू तरीके अपना कर इससे राहत पा सकते हैं।

**1. बेकिंग सोडा**
बेकिंग सोडे का इस्तेमाल किचन के साथ-साथ ब्यूटी के लिए भी किया जाता है लेकिन आप शायद यह नहीं जानते होंगे कि दांतों का पीलापन दूर करने के लिए भी यह बहुत कारगर है। दांतों में दर्द और पीलेपन को दूर करने के लिए 1 टेबलस्पून बेकिंग सोडा में एक चुटकी नमक मिला लें। रोजाना दिन में 2 बार ब्रश पर इस पाउडर को हल्का सा लगा कर दांत साफ करें।

**2. एलोवीरा और ग्लिसरीन**
एलोवीरा सेहत,ब्यूटी और दांतों की परेशानियों को दूर करने का सबसे बढ़िया नैचुरल उपाय है। ग्लिसरीन भी दांतों के लिए बहुत लाभकारी है।

**इस तरह बनाएं नैचुरल टूथपेस्ट**
1 कप पानी
1/2 बेकिंग सोड़ा
1 टेबलस्पून एलोवीरा
1 टीस्पून ग्लिसरीन
2-3 बूंद नींबू का तेल
इन सब चीजों को मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इससे रोजाना दांत साफ करें। इस नेचुरल पेस्ट से दांत सफेद, पीलापन दूर और मसूढ़ों में दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

# मेकअप के जरिए चौड़ी नाक को दें परफैक्ट शेप

आजकल हर लड़की अपनी फिटनेस और खूबसूरती को लेकर चौकन्ना रहती हैं। अपने चेहरे की कमियों को छिपाने के लिए वह मेकअप या कुछ ट्रीटमेंट का सहारा लेती हैं। मेकअप एक ऐसा जरिया है, जिससे चेहरे की पूरी लुक बदली जा सकती है। कुछ लड़कियों की नाक कुदरती परफैक्ट होती है और कुछ लड़कियों की सबसे बड़ी परेशानी उनकी मोटी और चौड़ी नाक होती है। अगर आपकी नाक भी ऐसी है तो आज हम आपको कुछ मेकअप टिप्स बताएंगे जो आपकी चौड़ी, मोटी नाक को परफैक्ट दिखाने में बड़े काम आएगे। इसके लिए आपको पार्लर भी नहीं जाना पडेगा बल्कि घर बैठे आसान तरीके से अपनी नाक को परफैक्ट शेप दे सकती है।

☞ **छोटी नाक को दिखाएं लंबा**
अगर आपकी नाक छोटी है और उसे लंबा दिखाना चाहती है तो नाक के नीचे व जहां वह खत्म होती है, वहां की स्किन को हाइलाइट करें।

☞ **पतली नाक को दिखाएं चौड़ा**
अगर आपकी नाक ज्यादा ही पतली है तो उसे चौड़ा दिखाने के लिए नाक की दोनों साइड्स पर हाइलाइटर का इस्तेमाल करें और उसे अच्छे से फाउंडेशन से मिला लें।

☞ **चौड़ी नाक को बनाएं सुडौल**
चौड़ी नाक को सुडौल बनाने के लिए नाक के किनारों पर चटख रंग का ब्लशर या फाउंडेशन लगाएं। नाक के दोनों ओर कॉर्नर पर डार्क फाउंडेशन व सेंट्रल एरिया पर लाइट फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। फिर नाक की दोनों साइड पर हल्के रंग का कंसीलर लगाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# असिन के बेडरूम में लगे थे सलमान खान के फोटो

**बॉलीवुड** में असिन ने अपनी शुरूआत आमिर खान के साथ की थी। फिल्म गजनी के जरिये उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा था। गजनी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। असिन की हिंदी फिल्मों में मांग बढ़ गई थी, लेकिन उन्होंने हमेशा दक्षिण भारतीय भाषाओं में बनने वाली फिल्मों को ही प्राथमिकता दी इसलिए वे हिंदी फिल्मों में कम नजर आईं। भले ही असिन ने आमिर के साथ पहली हिंदी फिल्म की हो, लेकिन वे आमिर के बजाय सलमान खान की फैन हैं। यहां तक कि उनके बेडरूम में सलमान के पोस्टर लगे हुए थे। जब असिन को सलमान के साथ 'लंदन ड्रीम्स' फिल्म ऑफर हुई तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि वे अपने फेवरेट स्टार के साथ फिल्म करने जा रही हैं। उन्होंने तुरंत हां कह दिया। इस फिल्म में अजय देवगन भी थे। 'लंदन ड्रीम्स' की ज्यादातर शूटिंग आउटडोर हुई थी, जिससे कलाकारों को साथ में गुजारने के लिए ज्यादा समय मिल जाता है। इस कारण असिन की सलमान से अच्छी दोस्ती हो गई थी और सलमान भी असीन का पूरा खयाल रखते थे। अजय भी दोनों के अच्छे दोस्त बन गए थे और तीनों ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान खूब धमाल मचाया था। असिन और सलमान की इस दोस्ती को देखते हुए तब यह बात भी उड़ गई थी कि सलमान ने असिन को मुंबई में एक घर बतौर गिफ्ट दिया है। हालांकि इस बात में कोई सच्चाई नहीं थी। कुछ ने कहा कि कैटरीना को जलाने के लिए सलमान ने ऐसा किया था।

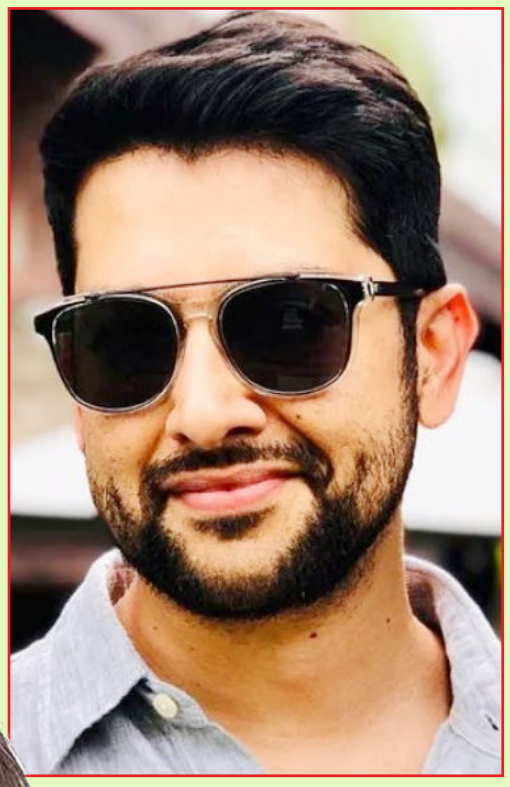

# स्पाई थ्रिलर 'स्पेशल ऑप्स 1.5' में नजर आएंगे आफताब शिवदासानी

**नीरज पांडे** और फ्राइडे स्टोरीटेलर्स ने 'स्पेशल ऑप्स 1.5 : द हिम्मत स्टोरी' के लिए आफताब शिवदासानी को साइन कर लिया है। यह उनके शो 'स्पेशल ऑप्स' के बाद स्पेशल ऑप्स यूनिवर्स की अगली किस्त है, जिसे पिछले साल डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज किया था और सुपरहिट साबित हुआ था। स्पेशल ऑप्स यूनिवर्स के साथ, पहली बार एक नई और अनूठी अवधारणा भारत में लाई गई है। आफताब, जो पहले पार्ट के एक उत्साही प्रशंसक रहे है, उन्होंने साझा किया, नीरज पांडे जैसे फिल्म निमार्ता के साथ उनके बैनर फ्राइडे स्टोरीटेलर्स के तहत काम करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। स्पेशल ऑप्स यूनिवर्स का हिस्सा बन कर रोमांचित हूं, एक शो जिसे मैंने एक दर्शक के रूप में अच्छी तरह से एन्जॉय किया और अब मैं इसकी कास्ट के एक सदस्य के रूप में इसे अनुभव कर रहा हूं। नीरज पांडे कहते हैं, फ्राइडे स्टोरीटेलर्स में आफताब शिवदासानी को शामिल कर के हमें अत्यंत खुशी हो रही है। वह स्पेशल ऑप्स 1.5 कलाकारों की टुकड़ी में एक रोमांचक अडिशन है और हम उनके साथ काम करनने के लिए तत्पर हैं। दर्शकों द्वारा जबरदस्त प्रतिक्रिया और हिम्मत सिंह के किरदार में उनकी रुचि ने निमार्ताओं को 1.5 का सफर शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। नीरज पांडे और उनकी टीम ने एक यूनिक स्पेशल ऑप्स 1.5 के साथ शुरूआत की है, जो न तो प्रीक्वल है और न ही सीक्वल है और इसके साथ दर्शकों को मुख्य नायक हिम्मत सिंह की बैकस्टोरी दिखाई जाएगी।

# पूजा हेगड़े का खुलासा

**रितिक रोशन** की फिल्म 'मोहनजोदाड़ो' से धमाकेदार शुरूआत करने वाली अभिनेत्री पूजा हेगड़े अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह जल्द ही साउथ सुपरस्टार प्रभास के साथ फिल्म 'राधेश्याम' में नजर आने वाली हैं। हाल ही में पूजा हेगड़े ने अपने परिवार और अपने अभिनय को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। पूजा हेगड़े का कहना है कि मेरा परिवार मेरे अभिनय को लेकर बड़ा अजीब व्यवहार करता है। अभिनेत्री अपने अभिनय का वीडियो अगर परिवार के व्हाट्सएप ग्रुप पर डालतीं तो कई बार उनको बोला जाता है कि ये सही नहीं है। हालांकि वो सिर्फ वही वीडियोज ग्रुप पर डालती हूं जो कि उनको परफेक्ट लगते हैं। पूजा कहती हैं कि कई बार तो मेरे शूटिंग के वीडियो साझा करने के बाद किसी का कोई रिएक्शन नहीं आता है और पूरी तरह अनदेखा कर दिया जाता है। पूजा हेगड़े का ये बयान काफी तेजी से चर्चा में चल रहा है और उनके फैंस इसपर कमेंट कर रहे हैं। उनका मानना है कि अभिनेत्री मजाक कर रहीं हैं।